

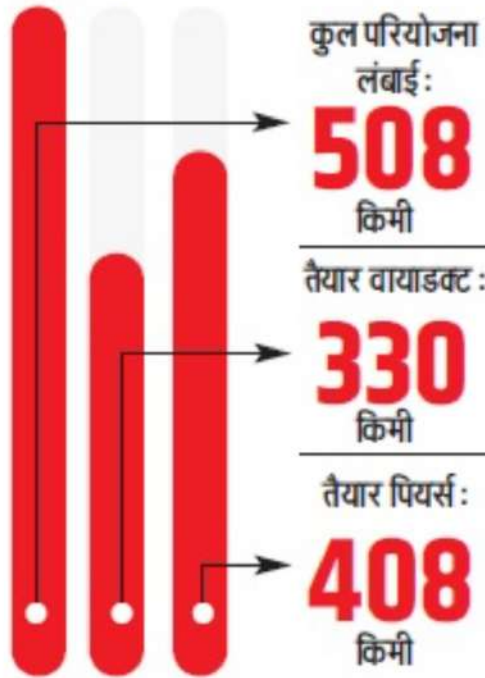
बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में मिली बड़ी कामयाबी

रेलवे ट्रैक पर
130 मीटर स्टील
स्पैन लॉन्च



■ मुंबई, (सं.) मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है. गुजरात के भरूच जिले के कंधारिया गांव के पास एनएच-64 और भारतीय रेलवे के भरूच-दाहेज मालगाड़ी मार्ग के ऊपर 230 मीटर लंबे स्टील ब्रिज में से 130 मीटर स्पैन का सफल लॉन्च किया गया है. यह लॉन्चिंग 9 दिसंबर 2025 को पूरी हुई, जिसे तकनीकी रूप से परियोजना की बड़ी प्रगति माना जा रहा है. यह लगातार (कॉन्टिन्युअस) स्टील ब्रिज दो स्पैन 130 मीटर और 100 मीटर का है. हाल में लॉन्च किया गया 130 मीटर का स्पैन करीब 18 मीटर ऊंचा और 14.9 मीटर चौड़ा है, जबकि इसका वजन लगभग 2,780 मीट्रिक टन है. इसे भुज स्थित वर्कशॉप में तैयार किया गया है और इसे 100 साल की आयु को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है. स्टील ब्रिज के निर्माण में 1,22,146 टॉर-शेयर टाइप हाई स्ट्रेंथ बोल्ट, सी-5 पेंटिंग सिस्टम और मेटैलिक बियरिंग्स का उपयोग किया गया है. ब्रिज को जमीन से लगभग 14 मीटर ऊंचे अस्थायी ट्रेस्टल्स पर असेंबल किया गया. इसके बाद दो सेमी-ऑटोमैटिक जैक की मदद से धकेला गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है और इन्हें मैक-अलॉय बार से जोड़ा गया था. लॉन्चिंग प्रक्रिया करीब 12 घंटों में पूरी की गई.

- आरसी ट्रैक बेड निर्माण: 260 ट्रैक किमी
- नेटम सुरंग खुदाई: 5 किमी / 21 किमी



मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना प्रगति पर

इस दौरान मालगाड़ी ट्रैक पर इंटरमिटेट ब्लॉक और एनएच-64 पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहा. इन प्रतिबंधों को सुरक्षा और लॉन्चिंग की सटीकता बनाए रखने के लिए आवश्यक माना गया. सभी गतिविधियों की योजना इस तरह बनाई गई कि सड़क उपयोगकर्ताओं और फ्रेट ऑपरेशनों पर न्यूनतम प्रभाव पड़े. परियोजना का कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है और कई महत्वपूर्ण चरण पूरे किए जा चुके हैं.

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए एनएच-64 और भारतीय रेलवे ट्रैक पर 230 मीटर लंबे स्टील ब्रिज के 130 मीटर स्पैन को लॉन्च किया गया

दबंग रिपोर्टर » ठाणे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना द्वारा गुजरात के भरूच जिले के कंथारिया गांव के पास नेशनल हाईवे-64 और इंडियन रेलवे ट्रैक की भरूच दहेज फ्रेट लाइन पर 230 मीटर (130 + 100) लंबे स्टील ब्रिज के 130 मीटर स्पैन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इस सतत् स्टील ब्रिज में 130 मीटर और 100 मीटर के दो स्पैन हैं।

130 मीटर का स्पैन, 9 दिसंबर 2025 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इसकी ऊंचाई लगभग 18 मीटर और चौड़ाई 14.9 मीटर है, और इसका वजन लगभग 2780 मीट्रिक टन है। गुजरात के भुज की वर्कशॉप में बनाए गए इस स्टील ब्रिज को 100 साल की लाइफस्पैन के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 1,22,146 टॉर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (TTHS) बोल्ट, C5 सिस्टम पेंटिंग और मेटैलिक बेयरिंग से बना यह स्टील ब्रिज



जमीन से 14 मीटर की ऊंचाई पर टेम्पररी ट्रेस्टल्स पर असेंबल किया गया और इसे मैक-अलॉय बार के साथ दो सेमी-ऑटोमैटिक जैक का इस्तेमाल करके धकेला गया, जिनमें से हर एक 250 टन वजन उठा सकता है। फ्रेट ट्रैक पर बीच-बीच में ब्लॉक और NH-64 पर रोड डायवर्जन के साथ 12 घंटे के अंदर ब्रिज

लॉन्चिंग का काम पूरा किया गया। ये ब्लॉक सुरक्षा बनाए रखने और फेज्ड लॉन्चिंग प्रोसेस के दौरान सटीक काम सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक थे। सभी गतिविधियों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई ताकि सड़क उपयोगकर्ताओं और चल रहे फ्रेट संचालन में न्यूनतम व्यवधान हो सके।

महाराष्ट्र में भी बुलेट ट्रेन के काम में तेजी

● बुलेट ट्रेन का ट्रायल 2026 के अंत तक

महानगर संवाददाता

मुंबई महाराष्ट्र में भी बुलेट ट्रेन के काम ने तेजी पकड़ ली है। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए पालघर जिले में 7 माउंट टनल की खुदाई तेजी से पूरा करने का काम शुरू कर दिया है। तो वहीं बीकेसी से शिलफाटा के बीच प्रस्तावित 21 किमी लंबे टनल मार्ग में से 5 किमी की खुदाई पूरी हो चुकी है। महाराष्ट्र में तीनों एलिवेटेड स्टेशनों पर निर्माण शुरू हो गया है, जबकि मुंबई स्थित अंडरग्राउंड स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग का काम जारी है।

लगाए जा रहे हैं नॉइज़ बैरियर

अधिकारी ने बताया कि शोर कम करने के लिए पूरे मार्ग के 235 किलोमीटर



हिस्से पर 4.7 लाख से अधिक नॉइज बैरियर लगाए जा चुके हैं। वहीं, 260 ट्रेक किमी (130 रूट किमी) आरसी ट्रेक बेड का काम भी पूरा हो गया है। मुख्य लाइन वायाडक्ट पर अब तक 3700 से अधिक ओएचई मस्त लगाए जा चुके हैं, जो लगभग 85 रूट किमी को कवर करते हैं।

गुजरात में स्टेशनों का काम अंतिम चरण में

सुरत और अहमदाबाद में रोलिंग स्टॉक डिपो का निर्माण प्रगति पर है। गुजरात के सभी स्टेशनों पर सुपर-स्ट्रक्चर का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में से 330 किमी वायाडक्ट और 408 किमी पियर का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा

टनलिंग वर्क में कितनी प्रोग्रेस

- ▶▶ पालघर में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई जारी
- ▶▶ बीकेसी-शिलफाटा 21 किमी सुरंग में से 5 किमी NATM टनल पूरा
- ▶▶ मुंबई अंडरग्राउंड स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग जारी
- ▶▶ महाराष्ट्र में तीनों एलिवेटेड स्टेशनों पर काम शुरू

17 नदी पुल, 5 पीएससी (प्रेस्ट्रेस्ड कंक्रीट) पुल और 11 स्टील ब्रिज भी बन चुके हैं। परियोजना के लिए तैयार किए जा रहे 230 मीटर लंबे स्टील ब्रिज के पहले 130 मीटर स्पैन का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है। बुलेट ट्रेन का ट्रायल 2026 के अंत तक शुरू हो सकता है।

बुलेट ट्रेन महाराष्ट्र के 3 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण शुरू

BKC-शिलफाटा के बीच 5 किमी NATM टनल की खुदाई पूरी



बुलेट ट्रेन परियोजना को अंजाम तक पहुंचाने के लिए पाल्घर के पास 7 फसलों में टनल बनाने का काम हो रहा है।

■ **NBT निपोर्ट, मुंबई**: महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन के काम में तेजी पकड़ ली है। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉमिश्न लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए पालघर जिले में 7 मार्ट टनलों की खुदाई तेजी से पूरा करने का काम शुरू कर दिया है। वहीं, बीकेसी से शिलफाटा के बीच प्रस्तावित 21 किमी लंबे टनल मार्ग में से 5 किमी की खुदाई पूरी हो चुकी है। महाराष्ट्र में तीनों एलिवेटेड स्टेशनों पर निर्माण शुरू हो गया है, जबकि मुंबई स्थित अंडरग्राउंड स्टेशन पर बेस स्लैब कार्टिंग का काम जारी है।

लगाए जा रहे हैं नाइज बैरियर

अधिकारी ने बताया कि शोर कम करने के लिए पूरे मार्ग के 235 किलोमीटर हिस्से पर 4.7 लाख से अधिक नाइज बैरियर लगाए जा चुके हैं। वहीं, 260 ट्रेक किमी (130 रूट किमी) आरसी ट्रेक बेड का काम भी पूरा हो गया है। मुख्य लाइन वायाडक्ट पर अब तक 3700 से अधिक ओवरहेड मस्त (Mast) लगाए जा चुके हैं, जो लगभग 85 रूट किमी को कवर करते हैं।

पालघर में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई जारी



मुंबई अंडरग्राउंड स्टेशन पर बेस स्लैब कार्टिंग जारी



बीकेसी-शिलफाटा 21 किमी में से 5 किमी टनल पूरी



महाराष्ट्र में तीनों एलिवेटेड स्टेशनों पर काम शुरू



गुजरात में काम की रफ्तार ज्यादा

सूरत और अहमदाबाद में रोलिंग स्टॉक डिपो का निर्माण प्रगति पर है। गुजरात के सभी स्टेशनों पर सुपर-स्ट्रक्चर का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में से 330 किमी वायाडक्ट और 408 किमी पिंयर का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा 17 नदी पुल, 5 पीएससी (प्रिस्ट्रेसड कंक्रीट) पुल और 11 स्टील ब्रिज में बन चुके हैं। परियोजना के लिए तैयार किए जा रहे 230 मीटर लंबे स्टील ब्रिज के पहले 130 मीटर स्पैन का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है।

बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत स्टील ब्रिज लॉन्च

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत गुजरात के भरुच जिले के कंथारिया गांव के पास नेशनल हाईवे-64 और भरुच दहेज फ्रेट लाइन पर 230 मीटर लंबे स्टील ब्रिज के 130 मीटर स्पैन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। यह सतत् स्टील ब्रिज दो स्पैन में तैयार किया गया है — 130 मीटर और 100 मीटर। 9 दिसंबर 2025 को 130 मीटर का स्पैन लॉन्च किया गया, जिसकी ऊंचाई लगभग 18 मीटर, चौड़ाई 14.9 मीटर और वजन करीब 2780 मीट्रिक टन है।

विशेषताएं और निर्माण प्रक्रिया



यह स्टील ब्रिज गुजरात के भुज की वर्कशॉप में बनाया गया और इसे 100 साल की लाइफस्पैन के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें लगभग 1,22,146 टॉर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (TTHS) बोल्ट, C5 सिस्टम पेंटिंग और मेटैलिक बेयरिंग का उपयोग किया गया है। ब्रिज को 14 मीटर ऊंचाई पर असेंबल किया गया और इसे मैक-अलॉय बार के साथ दो सेमी-ऑटोमैटिक जैक का इस्तेमाल करके धकेला गया, जिनमें से प्रत्येक 250 टन वजन उठा सकता है।

सुरक्षित और तेज़ लॉन्चिंग

फ्रेट ट्रेक पर ब्लॉकों और NH-64 पर रोड डायवर्जन के साथ 12 घंटे में ब्रिज लॉन्चिंग का कार्य पूरा किया गया। यह ब्लॉक सुरक्षा बनाए रखने और फेज्ड लॉन्चिंग प्रोसेस के दौरान सटीकता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक थे। सभी गतिविधियों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई ताकि सड़क उपयोगकर्ताओं और चल रहे फ्रेट संचालन में न्यूनतम व्यवधान हो।

130-meter span of 230-meter long steel bridge launched for bullet train project on NH-64 and Indian Railways tracks

૨૩૦ મીટર લાંબી સ્ટીલ બ્રિજનું ૧૩૦ મીટર સ્પાન એનએચ-૬૪ અને ભારતીય રેલવે ટ્રેક્સ પર બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે લોન્ચ કરાયું



ભરૂચ,તા.૧૨ મીટર પહોળાઈ ધરાવતા આ ઓટોમેટિક જેક્સની મદદથી મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન બ્રિજનું વજન અંદાજે ૨૭૮૦ આગળ ધકેલવામાં આવ્યું હતું. પ્રોજેક્ટે ગુજરાતના ભરૂચ મેટ્રિક ટન છે. ગુજરાતના ભુજ બ્રિજ લોન્ચિંગ કાર્ય ૧૨ જિલ્લામાં આવેલાં કંથારિયા વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં કલાકમાં પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું, ગામની નજીક રાષ્ટ્રીય માર્ગ- આવેલા આ સ્ટીલ બ્રિજને ૧૦૦ જેમાં ફેઈટ ટ્રેક્સ પર સમયાંતરે ૬૪ અને ભારતીય રેલવેની વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઈન બ્લોકસ અને એનએચ-૬૪ પર ભરૂચ-દહેજ ફેઈટ લાઈન ઉપર કરવામાં આવ્યા છે. રોડ ડાઈવઝન લાગુ કરવામાં ૨૩૦ મીટર (૧૩૦ + ૧૦૦) લગભગ ૧,૨૨,૧૪૬ આવ્યા. આ બ્લોકસ સલામતી લાંબી સ્ટીલ બ્રિજના ૧૩૦ ટોર્સ-શિયર પ્રકારના હાઈ જાળવવા અને ફેઝ્ડ લોન્ચિંગ મીટર સ્પાનનું સફળતાપૂર્વક સ્ટ્રેન્થ (ટીટીએચએસ) બોલ્ટ્સ, પ્રક્રિયા દરમિયાન ચોક્કસ લોન્ચિંગ પૂરું કર્યું છે. સીપ સિસ્ટમ પેઈન્ટિંગ અને અમલ સુનિશ્ચિત કરવા માટે આ સતત સ્ટીલ બ્રિજમાં મેટાલિક બીયરિંગ્સ સાથે મહત્વપૂર્ણ રહ્યા. તમામ ૧૩૦ મીટર અને ૧૦૦ રચાયેલ બ્રિજને ૧૪ મીટર પ્રવૃત્તિઓ રોડ વપરાશકર્તાઓ મીટરની બે સ્પાન છે. આ સ્ટીલ ઊંચાઈ પર સ્થાયી કાંકીટના તેમજ ચાલુ ફેઈટ ઓપરેશન્સમાં બ્રિજનો ૧૩૦ મીટર સ્પાન ૯ ટેમ્પોરરી ટ્રેસલ્સ પર એસેમ્બલ વિક્ષેપને ઓછામાં ઓછું કરવા ડિસેમ્બર ૨૦૨૫ ના રોજ લોન્ચ કરવામાં આવ્યું હતું અને તેને માટે સુવ્યવસ્થિત રીતે યોજના કરવામાં આવ્યો હતો. લગભગ મેક-એલોય બાર્સ સાથે ૨૫૦ બનાવીને અમલમાં આવી ૧૮ મીટર ઊંચાઈ અને ૧૪.૯ ટન ઉઠાવી શકતાં દરેક બે સેમી- હતી.

Bullet Train: Launch of 130-meter span of 230-meter long steel bridge on Dahej Freight Line

બુલેટ ટ્રેન : દહેજ ફ્રેઈટ લાઈન ઉપર ૨૩૦ મીટર લાંબી સ્ટીલ બ્રિજના ૧૩૦ મીટર સ્પાનનું લોન્ચિંગ

ભરૂચ

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટે ગુજરાતના ભરૂચ જિલ્લામાં આવેલાં કાંથરિયા ગામની નજીક રાષ્ટ્રીય માર્ગ-૬૪ અને ભારતીય રેલવેની ભરૂચ-ડાહેજ ફ્રેઈટ લાઈન ઉપર ૨૩૦ મીટર (૧૩૦ + ૧૦૦) લાંબી સ્ટીલ બ્રિજના ૧૩૦ મીટર સ્પાનનું સફળતાપૂર્વક લોન્ચિંગ પૂરું કર્યું છે. આ સતત સ્ટીલ બ્રિજમાં ૧૩૦ મીટર અને ૧૦૦ મીટરની બે સ્પાન છે. આ સ્ટીલ બ્રિજનો ૧૩૦ મીટર સ્પાન ૯ ડિસેમ્બર ૨૦૨૫ ના રોજ લોન્ચ કરવામાં આવ્યો હતો. લગભગ ૧૮ મીટર ઊંચાઈ અને ૧૪.૯ મીટર પહોળાઈ ધરાવતા આ બ્રિજનું વજન અંદાજે ૨૭૮૦ મેટ્રિક ટન છે. ગુજરાતના ભુજ વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં આવેલા આ સ્ટીલ બ્રિજને ૧૦૦ વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઈન કરવામાં આવ્યા છે.

લગભગ ૧,૨૨,૧૪૬ ટોર્સ-શિયર પ્રકારના હાઈ સ્ટ્રેન્થ



(ટીટીએચએસ) બોલ્ટ્સ, સીપ સિસ્ટમ પેઈન્ટિંગ અને મેટાલિક બીયરિંગ્સ સાથે રચાયેલ બ્રિજને ૧૪ મીટર ઊંચાઈ પર સ્થાયી કાંકીટના ટેમ્પોરરી ટ્રેસલ્સ પર એસેમ્બલ કરવામાં આવ્યું હતું અને તેને મેક-એલોય બાર્સ સાથે ૨૫૦ ટન ઉઠાવી શકતાં દરેક બે સેમી-ઓટોમેટિક જેક્સની મદદથી આગળ ધકેલવામાં આવ્યું હતું.

બ્રિજ લોન્ચિંગ કાર્ય ૧૨ કલાકમાં પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું, જેમાં ફ્રેઈટ ટ્રેક્સ

પર સમયાંતરે બ્લોક્સ અને એનએચ-૬૪ પર રોડ ડાઈવર્શન લાગુ કરવામાં આવ્યા. આ બ્લોક્સ સલામતી જાળવવા અને ફેઝ્ડ લોન્ચિંગ પ્રક્રિયા દરમિયાન ચોક્કસ અમલ સુનિશ્ચિત કરવા માટે મહત્વપૂર્ણ રહ્યા. તમામ પ્રવૃત્તિઓ રોડ વપરાશકર્તાઓ તેમજ ચાલુ ફ્રેઈટ ઓપરેશન્સમાં વિકોપને ઓછામાં ઓછું કરવા માટે સુવ્યવસ્થિત રીતે યોજના બનાવીને અમલમાં આવી હતી.

130-meter span of 230-meter long steel bridge launched for bullet train project on NH-64 and Indian Railways tracks

૨૩૦ મીટર લાંબી સ્ટીલ બ્રિજનું ૧૩૦ મીટર સ્પાન એનએચ-૬૪ અને ભારતીય રેલવે ટ્રેક્સ પર બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે લોન્ચ કરાયું



ભરૂચ,તા.૧૨ મીટર પહોળાઈ ધરાવતા આ ઓટોમેટિક જેક્સની મદદથી મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન બ્રિજનું વજન અંદાજે ૨૭૮૦ આગળ ધકેલવામાં આવ્યું હતું. પ્રોજેક્ટે ગુજરાતના ભરૂચ મેટ્રિક ટન છે. ગુજરાતના ભુજ બ્રિજ લોન્ચિંગ કાર્ય ૧૨ જિલ્લામાં આવેલાં કંથારિયા વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં કલાકમાં પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું, ગામની નજીક રાષ્ટ્રીય માર્ગ- આવેલા આ સ્ટીલ બ્રિજને ૧૦૦ જેમાં ફેઈટ ટ્રેક્સ પર સમયાંતરે ૬૪ અને ભારતીય રેલવેની વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઈન બ્લોકસ અને એનએચ-૬૪ પર ભરૂચ-દહેજ ફેઈટ લાઈન ઉપર કરવામાં આવ્યા છે. રોડ ડાઈવઝન લાગુ કરવામાં ૨૩૦ મીટર (૧૩૦ + ૧૦૦) લગભગ ૧,૨૨,૧૪૬ આવ્યા. આ બ્લોકસ સલામતી લાંબી સ્ટીલ બ્રિજના ૧૩૦ ટોર્સ-શિયર પ્રકારના હાઈ જાળવવા અને ફેઝ્ડ લોન્ચિંગ મીટર સ્પાનનું સફળતાપૂર્વક સ્ટ્રેન્થ (ટીટીએચએસ) બોલ્ટ્સ, પ્રક્રિયા દરમિયાન ચોક્કસ લોન્ચિંગ પૂરું કર્યું છે. સીપ સિસ્ટમ પેઈન્ટિંગ અને અમલ સુનિશ્ચિત કરવા માટે આ સતત સ્ટીલ બ્રિજમાં મેટાલિક બીયરિંગ્સ સાથે મહત્વપૂર્ણ રહ્યા. તમામ ૧૩૦ મીટર અને ૧૦૦ રચાયેલ બ્રિજને ૧૪ મીટર પ્રવૃત્તિઓ રોડ વપરાશકર્તાઓ મીટરની બે સ્પાન છે. આ સ્ટીલ ઊંચાઈ પર સ્થાયી કાંકીટના તેમજ ચાલુ ફેઈટ ઓપરેશન્સમાં બ્રિજનો ૧૩૦ મીટર સ્પાન ૯ ટેમ્પોરરી ટ્રેસલ્સ પર એસેમ્બલ વિક્ષેપને ઓછામાં ઓછું કરવા ડિસેમ્બર ૨૦૨૫ ના રોજ લોન્ચ કરવામાં આવ્યું હતું અને તેને માટે સુવ્યવસ્થિત રીતે યોજના કરવામાં આવ્યો હતો. લગભગ મેક-એલોય બાર્સ સાથે ૨૫૦ બનાવીને અમલમાં આવી ૧૮ મીટર ઊંચાઈ અને ૧૪.૯ ટન ઉઠાવી શકતાં દરેક બે સેમી- હતી.

Bullet Train: 130 meter span work completed



बुलेट ट्रेन : १३० मीटर स्पॅनचे काम पूर्ण

► मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील २३० मीटर लांबीच्या स्टील पूलाचा १३० मीटर स्पॅनचे काम पूर्ण झाले आहे. राष्ट्रीय महामार्ग-६४ आणि भारूच-दहेज मालवाहतूक रेल्वे मार्गावर हा पूर उभारण्यात येत आहे.

२३० मीटर स्टील पुल १३० मीटर आणि १०० मीटर अशा दोन स्पॅनमध्ये बांधला आहे. या स्टील पुलाचा १३० मीटर स्पॅन १ डिसेंबर रोजी लॉन्च करण्यात आला. हा पुल सुमारे १८ मीटर उंच आणि १४.९ मीटर रुंद असून, त्याचे वजन अंदाजे २७८० मेट्रिक टन आहे. गुजरातमधील भुज कार्यशाळेत तयार केलेला स्टील पुल १०० वर्षांचा आयुष्यकाल लक्षात घेऊन डिझाइन केला आहे. सुमारे १,२२, १४६ टॉर-शियर प्रकारच्या उच्च ताकदीच्या (टीटीएचएस) बोल्ट्स, सी-५ सिस्टिम पेंटिंग आणि मेटालिक बियरिंग्स वापरून हा पुल बांधला गेला आहे. पुलाची असेंब्ली जमिनीपासून १४ मीटर उंचीवर असलेल्या तात्पुरत्या ट्रेसल्सवर केली गेली. प्रत्येक जॅक २५० टन उचलण्यास सक्षम असलेल्या दोन सेमी-ऑटोमॅटिक जॅक्ससह मॅक-अलॉय बार्सचा वापर करून पुढे ढकलण्यात आला.

Bullet Train Project: 130 meters of 2 30-meter bridges completed

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ : ૨૩૦ મીટર બ્રિજ પૈકી ૧૩૦ મીટરનું કામ પૂરું ભરૂચ-દહેજ ફેઈટ લાઈન પર સ્ટીલબ્રિજનો પ્રથમ તબક્કો પુરો

આ સાથે
ગુજરાતમાં ૧૨
સ્ટીલ બ્રિજનું
નિર્માણ કાર્ય થયું

। વડોદરા ।

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે રાજ્યના ભરૂચ જિલ્લાના કંથારીયા નજીક ભરૂચ-દહેજ ફેઈટ લાઈન પરના સ્ટીલબ્રિજનું કાર્ય પુર્ણતાના આરે પહોંચ્યું છે. જેમાં ૨૩૦ મીટરના આ લાંબા સ્ટીલ બ્રિજના ૧૩૦ મીટરના સ્પાનનું સફળતાપુર્વક લોન્ચિંગ કાર્ય પુર્ણ કરાયું છે.

આ સ્ટીલબ્રિજમાં ૧૩૦ મીટર અને ૧૦૦ મીટરના બે સ્પાન છે. આ સ્ટીલ બ્રિજનો ૧૩૦ મીટરનો સ્પાન ૮ ડિસેમ્બરે લોન્ચ કરવામાં આવ્યો હતો. લગભગ ૧૮ મીટર ઉંચાઈ અને ૧૪.૮ મીટર પહોળાઈ ધરાવતા આ બ્રિજનું વજન અંદાજે ૨૭૮૦ મેટ્રિક ટન છે. આ સ્ટીલ બ્રિજ ગુજરાતના ભુજ ખાતેના વર્કશોપમાં તૈયાર થયો કરવામાં

આવેલો છે. આ સ્ટીલબ્રિજને ૧૦૦ વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઈન કરવામાં આવ્યા છે.

લગભગ ૧,૨૨,૧૪૬ ટોર્સ શિયર પ્રકારના હાઈસ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સ સી-પ સિસ્ટમ પેઈન્ટીંગ અને મેટાલિક બ્રીયરીંગ્સ સાથે રચાયેલા બ્રિજને ૧૪ મીટર ઉંચાઈ પર સ્થાયી કોકિટના ટેમ્પોરરી ટ્રેસલ્સ પર એસેમ્બલ

કરવામાં આવ્યું હતું. તેને મેક એલોય બાર્સ સાથે ૨૫૦ ટન ઉઠાવી શકતા દરેક બે સીમી ઓટોમેટિક જેક્સની મદદ થી ઓગળાવવામાં આવ્યા હતા.

બ્રિજ લોન્ચિંગ કાર્ય ૧૨ કલાકમાં પુર્ણ કરવામાં આવ્યું હતું. આ સાથે ગુજરાતમાં ૧૨ સ્ટીલબ્રિજના લોકાર્પણનું કામ પુર્ણ કરાયું હતું.

Construction of steel bridge near Bharuch for bullet train

बुलेट ट्रेनसाठी भरूचजवळ स्टील पुलाची उभारणी

मुंबई, ता. १३ : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पांतर्गत गुजरातमधील भरूच जिल्ह्यातील राष्ट्रीय महामार्ग-६४ आणि रेल्वेच्या भरूच-दहेज फ्रेट मार्गावर उभारण्यात येणाऱ्या २३० मीटर लांबीच्या स्टीलच्या पुलाचा महत्त्वाचा टप्पा पूर्ण झाला आहे. या पुलाच्या १३० मीटर लांबीच्या स्पॅनचे यशस्वी लॉचिंग नुकतेच करण्यात आले.

लॉच करण्यात आलेल्या स्पॅनची उंची सुमारे १८ मीटर, रुंदी १४.९ मीटर आणि वजन सुमारे २,७८० टन आहे. भुज येथील कार्यशाळेत तयार करण्यात आलेल्या या पुलाची रचना १०० वर्षांसाठी केली आहे.

The span of the steel bridge built in Bhuj has been installed in Bharuch.

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં 130 મીટરનો સ્પાન ફીટ કરાયો

ભુજમાં બનેલા સ્ટીલ બ્રિજનો સ્પાન ભરૂચમાં લગાવાયો

2780 મેટ્રિક ટનના બ્રિજનું 100 વર્ષનું આયુષ્ય

ભાસ્કર વ્યૂઝ | ભુજ

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેનના પ્રોજેક્ટમાં કચ્છએ પણ પોતાનું યોગદાન આપ્યું છે. વિવિધ સ્થળોએ લગાવવામાં આવેલ સ્ટીલ બ્રિજનું નિર્માણ ભુજ/ભચાઉ હાઈવે પર પધ્ધર નજીકના વર્કશોપમાં કરવામાં આવ્યું છે. આ પૈકી ભરૂચ જિલ્લાના કંથારિયા ગામ નજીક રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ-64 અને ભારતીય રેલ્વે ટ્રેકની ભરૂચ દહેજ ફેઈટ લાઈન પર 230 મીટર લાંબા સ્ટીલ બ્રિજનો 130 મીટરનો સ્પાન લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે. આ સ્ટીલ બ્રિજમાં 130

મીટર અને 100 મીટરના બે સ્પાન છે. આ સ્ટીલ બ્રિજનો 130 મીટરનો સ્પાન 9 ડિસેમ્બરના લોન્ચ કરાયો. આશરે 18 મીટર ઊંચાઈ અને 14.9 મીટર પહોળાઈ ધરાવતો, તેનું વજન લગભગ 2780 મેટ્રિક ટન છે. ગુજરાતના ભુજમાં વર્કશોપમાં બનાવવામાં આવેલા, સ્ટીલ બ્રિજ 100 વર્ષના જીવનકાળ માટે ડિઝાઈન કરવામાં આવ્યા છે. આ પ્રોજેક્ટમાં અત્યાર સુધી કુલ 12 સ્ટીલ બ્રિજ લગાવવામાં આવ્યા છે. સ્ટીલના પુલ હાઈવે, એક્સપ્રેસવે અને રેલ્વે લાઈનને પાર કરવા માટે સૌથી યોગ્ય મનાય છે.

To prevent noise pollution on the Bullet Train route, more than 4.7 million noise barriers have been installed.

૮૫ કિ.મી.ના રૂટ ઉપર ૩,૭૦૦ ઓવર હેડ ઈલેક્ટ્રિક માસ્ટનું કામ પૂર્ણ બુલેટ ટ્રેન રૂટ પર નોઈસ પોલ્યુશન અટકાવવા ૪.૭ લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર લગાવાયા

૫૦૮ કિ.મી. રૂટ પરનું મોટાભાગનું કામ પૂર્ણતાને આરે, અમદાવાદ, સુરતમાં ડેપો બનશે

I AHMEDABAD I

અમદાવાદ-મુંબઈ હાઈસ્પીડ રેલ (બુલેટ ટ્રેન) પ્રોજેક્ટમાં તા. ૯ ડિસેમ્બરની સ્થિતિએ કુલ ૫૦૮ કિ.મી.લાંબા રૂટ પર માળખાકીય અને ટેકનિકલ કામગીરી મોટાભાગની પૂર્ણ થઈ ગઈ છે. ૩૩૦ કિ.મી. વાયડક્ટ અને ૪૦૮ કિ.મી. પિયર વર્ક પૂર્ણ કરાયું હોવાનું અધિકારીઓ જણાવી રહ્યા છે.

કુલ ૧૭ નદીઓ પર પાંચ પ્રી-સ્ટ્રેસ કોન્ક્રિટ અને ૧૧ સ્ટીલ બિજનું કામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. ખાસ કરીને ૨૩૦ મીટર લાંબા સ્ટીલ બિજના પ્રથમ ૧૩૦ મીટરના સ્થાનનું કામ પૂર્ણ થવું મહત્વપૂર્ણ સિદ્ધિ માનવામાં આવી રહી છે. બુલેટ ટ્રેનના માર્ગ પર અવાજ પ્રદૂષણ ઘટાડવા માટે અત્યાર સુધીમાં ૨૩૫ કિ.મી.ના વિસ્તારમાં ૪.૭ લાખથી વધુ નોઈઝ



બેરિયર્સ લગાવવામાં આવ્યા છે. ૨૬૦ ટ્રેક કિ.મી. આર.સી. ટ્રેક બેડનું નિર્માણ પૂર્ણ થયું છે.

વિદ્યુતિકરણના કામમાં ૮૫ રૂટ કિ.મી. વિસ્તારમાં ૩,૭૦૦ જેટલા ઓવર હેડ ઈલેક્ટ્રિક માસ્ટ સ્થાપિત થઈ ચૂક્યા છે. ૭ પર્વતીય ટનલનું ખોદકામ પ્રગતિમાં છે. મુંબઈના બીકેસીથી શિલ્ડાટા વચ્ચેના ૨૧

કિ.મી.લાંબા અંડરગ્રાઉન્ડ ટનલમાં ૫ કિ. મી.ટનલનું ખોદકામ પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું છે. પ્રોજેક્ટ માટે જરૂરી રોલિંગ સ્ટોકની જાળવણી માટે સુરત અને અમદાવાદમાં ડેપોનું નિર્માણ કાર્ય ચાલી રહ્યું છે. ગુજરાતમાં આવેલા તમામ સ્ટેશનો પર સુપર સ્ટ્રક્ચરનું કામ અંતિમ તબક્કામાં પહોંચી ગયું છે.

To prevent noise pollution on the Bullet Train route, more than 4.7 million noise barriers have been installed.

૮૫ કિ.મી.ના રૂટ ઉપર ૩,૭૦૦ ઓવર હેડ ઈલેક્ટ્રિક માસ્ટનું કામ પૂર્ણ બુલેટ ટ્રેન રૂટ પર નોઈસ પોલ્યુશન અટકાવવા ૪.૭ લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર લગાવાયા

૫૦૮ કિ.મી. રૂટ પરનું મોટાભાગનું કામ પૂર્ણતાને આરે, અમદાવાદ, સુરતમાં ડેપો બનશે

। અમદાવાદ ।

અમદાવાદ-મુંબઈ હાઈસ્પીડ રેલ (બુલેટ ટ્રેન) પ્રોજેક્ટમાં તા. ૮ ડિસેમ્બરની સ્થિતિએ કુલ ૫૦૮ કિ.મી.લાંબા રૂટ પર માળખાકીય અને ટેકનિકલ કામગીરી મોટાભાગની પૂર્ણ થઈ ગઈ છે. ૩૩૦ કિ.મી. વાયડક્ટ અને ૪૦૮ કિ.મી. પિયર વર્ક પૂર્ણ કરાયું હોવાનું અધિકારીઓ જણાવી રહ્યા છે.

કુલ ૧૭ નદીઓ પર પાંચ પ્રી-સ્ટ્રેસ કોન્ક્રિટ અને ૧૧ સ્ટીલ બ્રિજનું કામ પૂર્ણ

થઈ ગયું છે. ખાસ કરીને ૨૩૦ મીટર લાંબા સ્ટીલ બ્રિજના પ્રથમ ૧૩૦ મીટરના સ્પાનનું કામ પૂર્ણ થવું મહત્વપૂર્ણ સિદ્ધિ માનવામાં આવી રહી છે. બુલેટ ટ્રેનના માર્ગ પર અવાજ પ્રદૂષણ ઘટાડવા માટે અત્યાર સુધીમાં ૨૩૫ કિ.મી.ના વિસ્તારમાં ૪.૭ લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવવામાં આવ્યા છે. ૨૬૦ ટ્રેક કિ.મી. આર.સી. ટ્રેક બેડનું નિર્માણ પૂર્ણ થયું છે.

વિદ્યુતિકરણના કામમાં ૮૫ રૂટ કિ.મી. વિસ્તારમાં ૩,૭૦૦ જેટલા ઓવર હેડ

ઈલેક્ટ્રિક માસ્ટ સ્થાપિત થઈ ચૂક્યા છે. ૭ પર્વતીય ટનલનું ખોદકામ પ્રગતિમાં છે. મુંબઈના બીકેસીથી શિલ્કાટા વચ્ચેના ૨૧ કિ.મી.લાંબા અંડરગ્રાઉન્ડ ટનલમાં ૫ કિ.મી.ટનલનું ખોદકામ પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું છે. પ્રોજેક્ટ માટે જરૂરી રોલિંગ સ્ટોકની જાળવણી માટે સુરત અને અમદાવાદમાં ડેપોનું નિર્માણ કાર્ય ચાલી રહ્યું છે. ગુજરાતમાં આવેલા તમામ સ્ટેશનો પર સુપર સ્ટ્રક્ચરનું કામ અંતિમ તબક્કામાં પહોંચી ગયું છે.